c. loc. vel *gen.* MAN. 7.20.: यदि न प्रणयेद्राजा दण्डम् दण्ड्येषु; 8.238.: न तत्र प्रणयेद्दण्डन् नृपतिः पशुरक्षिणाम्; 7.31.: प्रणेतुं शक्यते दण्डम्. 2) amare, favere. N. 4.2.: प्रणयस्व (v. प्रणय).

c. प्र praef. सम् id. sgf. 1. MAH. 2.2126.: यशः सम्प्रणीतम्; MAN. 7.16.: तम् (दण्डम्) ... यथार्हतः सम्प्रणयेन् नरेषु.

c. प्रति reducere. R. Schl. II. 98.22.: नौ ... गृह्य प्रतिणेष्यति.

c. वि 1) abducere, amovere. R. Schl. II. 69.3.: आयासम् विनयिष्यन्तः; RAGH. 2.49.: शक्यो ऽस्य मन्युर् भवता विनेतुम्; 5.72. et 9.71.: विनीतनिद्र. 2) educare, instruere. RAGH. 3.29.: विनिन्युर् एनङ् गुरवः; MAH. 3.12585.: शूरान् अस्त्रेषु ... विनयेत्. — विनीत submissus, modestus. N. 26.30.: विनीतैः परिचारकैः; RAGH. 10.13.: उपस्थितम् प्राञ्जलिना विनीतेन गरुत्मता; domitus *de bestiis.* MAN. 4.67.: ना ऽविनीतैर् व्रजेद् धुर्यैः; 68.: विनीतैस् तु व्रजेत् (धुर्यैः); RAGH. 14.75.: तपस्विसंसर्गविनीतसत्वे तपोवने.

नीच (*fem.* -ची, correptum e न्यच, न्यची; a rad. अञ्च् praef. नि suff. अ, v. न्यच्) humilis; *transl.* vilis, pravus. N. 21.14.: रहो ऽनीचानुवर्ती; Lass. 1.3.: प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः.

नीचग (e praec. et ग iens) humiliter iens, *de flumine,* tenui aquâ fluens.

नीड *m. n.* nidus. (Lat. *nîdus,* hib. *nead,* cambro-brit. *nyth,* germ. et anglo-sax. *nest.*)

नीति *f.* (r. नी s. ति) 1) ductus, ductio. 2) vitae ratio, mores. 3) doctrina de moribus, Ethica. HIT. 3.4.

नीथ *m.* (r. नी s. थ) dux. *V.* नाथ.

नीप *m.* nomen arboris (Nauclea cadamba).

नीर *n.* (ut videtur, e नार attenuato आ in ई) aqua.

नीरजस्क (*BAH.* e निस् et रजस् adjecto suff. क, v. gr. 665.) liber a pulvere. R. Schl. I. 24.4.

नीरव (*BAH.* e निस् et रव) soni expers. RAGH. 8.57.

नीरस (*BAH.* e निस् et रस) saporis expers, insipidus. UR. 24.6.

नीराजन *n.* (r. राज् praef. निस् s. अन) lustratio; *v. sq.*

नीराजना *f.* (*fem.* praec.) *id.* RAGH. 4.25. 17.12.

नील् 1. *P.* nigrum, violaceum, caeruleum, lividum esse; colore nigro etc. afficere. *V. sq.*

नील (r. नील् s. अ, nisi potius नील् *Denom.* a नील, hoc autem a निश् nox suff. ल, abjecto श् et producto इ; cf. lat. *niger,* Them. *nigru,* quod e *nic-ru* explicari potest, mutatâ tenui in mediam; v. Benfey. II. 57.) niger, caeruleus, violaceus; lividus. H. 1.37. 4.29. N. 16.17.

नीलकण्ठ *m.* (nigrum *vel* violaceum collum habens, *BAH.* e praec. et कण्ठ collum) 1) pavo. UR. 59.15. 2) nomen dei *Sivi.*

नीलमणि *m.* (*BAH.* e नील et मणि) sapphirus.

नीलिनी *f.* (a नील s. इन्, adjecto signo *fem.* ई) Indigofera tinctoria.

नीली *f.* (a नील signo *fem.* ई) *id.*

नीव् 1. *P.* (स्थौल्ये) magnum, crassum, corpulentum, turgidum esse.

नीवार *m.* oryza sylvestris. RAGH. 1.50.

नीवी *f.* vestimentum, quo feminarum medium corpus tegitur, feminalia. RAGH. 7.9. MEGH. 69.

नीहार *m.* (ut videtur, a r. हृ praef. नि, producto इ, s. अ) pruina. H. 4.40. R. Schl. I. 55.25. RAGH. 7.57.

1. नु 2. *P.* नौमि vel नवीमि (gr. 350.) laudare. NALOD. 1.30.: इन्दिरागातनुतः; BHATT. 14.112.: नीलन् नुनाव. (Cf. lat. *nu-men.*)

2. नु particula interrogativa, quae praecipue invenitur post किम् ejusque derivata, et post negationem न. H. 2.32. N. 12.28.29.98. 19.26. 22.13. 11.4. (Lat. *num,* v. gr. comp. 370.)

नुद् 6. *P. A.* नुदामि, नुदे, *part. pass.* नुन्न 1) mittere, agere, impellere, incitare. DR. 8.24.: सूतस्य नुदतो वाहान्. 2) depellere, removere, repellere. RAGH. 6.68.: संशयम् अस्य ... नुनोद; MAH. 3.1341.: एनो राजा नुदते यज्ञैः. — *Caus.* agere, pellere, incitare, *e. c. equos.* A. 6.17.: तान् हयान् अनोदयत्; N. 19.23.: ते नोद्यमानाः ... हयोत्तमाः.